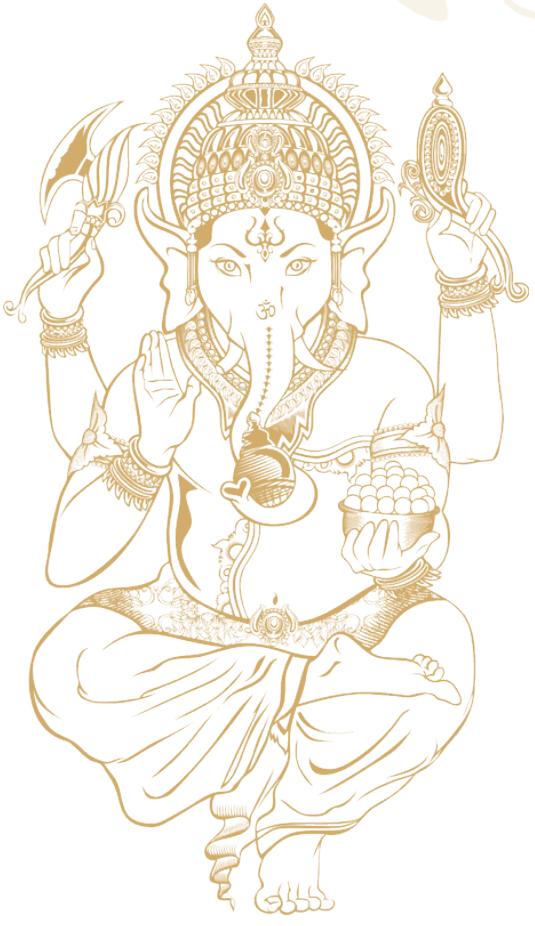

Mr.Yujvinder Songh

09 Dec 1979

07:50 PM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 119963505

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/12/1979**
दिन	रविवार
जन्म समय	**19:50:00 घंटे**
इष्ट	32:04:31 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:11:20 घंटे
वेलान्तर	00:07:55 घंटे
साम्पातिक काल	00:22:16 घंटे
सूर्योदय	07:00:11 घंटे
सूर्यास्त	18:01:21 घंटे
दिनमान	11:01:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	23:19:52 वृश्चिक
लग्न के अंश	19:12:01 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वैधृति
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:12:01	322:31:22	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	23:19:52	01:00:57	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	01:51:23	11:56:05	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			सिंह	14:23:00	00:21:03	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	02:51:34	01:07:47	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
गुरु			सिंह	16:12:19	00:03:14	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			धनु	20:05:28	01:14:28	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
शनि			कन्या	02:43:14	00:03:01	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		सिंह	08:46:30	00:00:37	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	08:46:30	00:00:37	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			तुला	29:16:17	00:03:30	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
नेप			वृश्चि	26:30:44	00:02:16	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
प्लूटो			कन्या	27:34:50	00:01:33	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	---
दशम भाव			मीन	12:29:05	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:34:28

लग्न-चलित

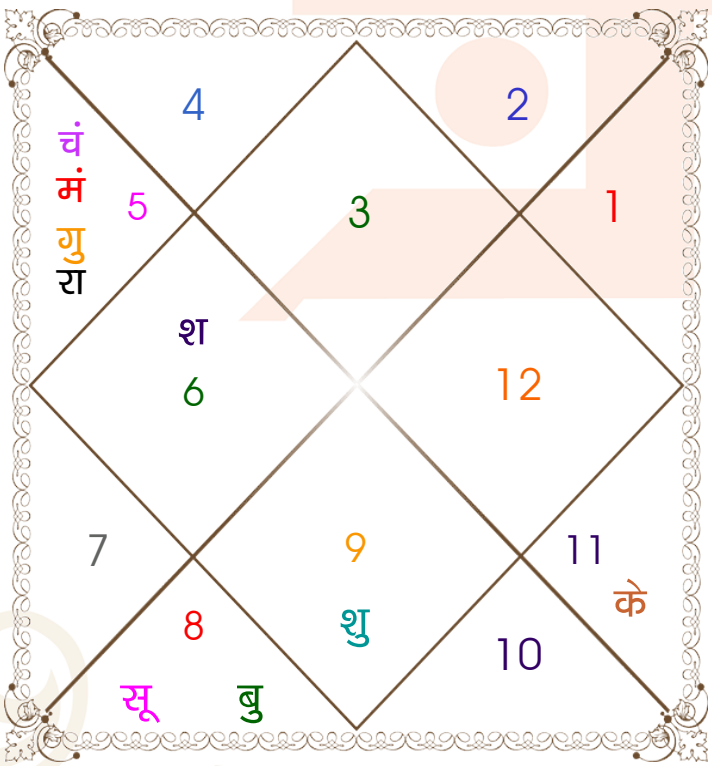

चन्द्र कुंडली

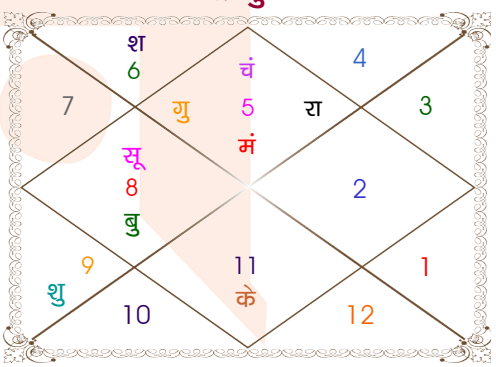

नवमांश कुंडली

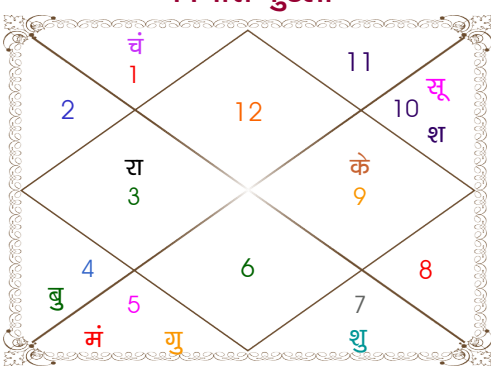

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 0 मास 9 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
09/12/1979		18/12/1985		18/12/2005		19/12/2011		18/12/2021	
18/12/1985		18/12/2005		19/12/2011		18/12/2021		18/12/2028	
	09/12/1979	शुक्र	19/04/1989	सूर्य	07/04/2006	चंद्र	18/10/2012	मंगल	16/05/2022
शुक्र	16/07/1980	सूर्य	19/04/1990	चंद्र	06/10/2006	मंगल	19/05/2013	राहु	04/06/2023
सूर्य	20/11/1980	चंद्र	19/12/1991	मंगल	11/02/2007	राहु	18/11/2014	गुरु	10/05/2024
चंद्र	22/06/1981	मंगल	17/02/1993	राहु	06/01/2008	गुरु	19/03/2016	शनि	18/06/2025
मंगल	18/11/1981	राहु	17/02/1996	गुरु	24/10/2008	शनि	18/10/2017	बुध	16/06/2026
राहु	06/12/1982	गुरु	18/10/1998	शनि	06/10/2009	बुध	20/03/2019	केतु	12/11/2026
गुरु	12/11/1983	शनि	18/12/2001	बुध	13/08/2010	केतु	19/10/2019	शुक्र	12/01/2028
शनि	21/12/1984	बुध	18/10/2004	केतु	18/12/2010	शुक्र	18/06/2021	सूर्य	19/05/2028
बुध	18/12/1985	केतु	18/12/2005	शुक्र	19/12/2011	सूर्य	18/12/2021	चंद्र	18/12/2028

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
18/12/2028		18/12/2046		18/12/2062		18/12/2081		18/12/2098	
18/12/2046		18/12/2062		18/12/2081		18/12/2098		00/00/0000	
राहु	31/08/2031	गुरु	05/02/2049	शनि	21/12/2065	बुध	16/05/2084	केतु	17/05/2099
गुरु	24/01/2034	शनि	19/08/2051	बुध	30/08/2068	केतु	13/05/2085	शुक्र	09/12/2099
शनि	30/11/2036	बुध	24/11/2053	केतु	09/10/2069	शुक्र	13/03/2088		00/00/0000
बुध	19/06/2039	केतु	31/10/2054	शुक्र	09/12/2072	सूर्य	17/01/2089		00/00/0000
केतु	07/07/2040	शुक्र	01/07/2057	सूर्य	21/11/2073	चंद्र	19/06/2090		00/00/0000
शुक्र	07/07/2043	सूर्य	19/04/2058	चंद्र	22/06/2075	मंगल	16/06/2091		00/00/0000
सूर्य	31/05/2044	चंद्र	19/08/2059	मंगल	31/07/2076	राहु	02/01/2094		00/00/0000
चंद्र	30/11/2045	मंगल	25/07/2060	राहु	07/06/2079	गुरु	09/04/2096		00/00/0000
मंगल	18/12/2046	राहु	18/12/2062	गुरु	18/12/2081	शनि	18/12/2098		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 0 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।